संकल्पना वक्तव्य

एम्स भारत और विदेशों में रहने वाले समाज के सभी वर्गों के लोगों के बीच एक जाना पहचाना नाम बन गया है जहां पक्षपात रहित, वहनीय और गुणवत्ता पूर्ण देखभाल प्रदान की जाती है। सभी नागरिकों के मन में यह दर्जा और भरोसा रातों रात नहीं आया है। हमारे संस्थापक जनकों द्वारा किए गए अत्यधिक कठिन परिश्रम के दशकों तक जारी रहने से यह स्तर प्राप्त हुआ है। मेरा विश्वास है कि एम्स में अभी अपार अदोहित संभाव्यता निहित है, जिसके उचित पोषण से एम्स सच्चे अर्थों में वैश्विक ब्राण्ड बन सकता है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं एम्स को नई वैश्विक ऊंचाइयों तक ले जाने की एकल दृढ़ता के साथ कार्य करूंगा।

हम सभी जानते हैं कि एम्स लगातार बढ़ती रोगियों की संख्या को उपचार प्रदान करता है और जबकि इसके आंकड़े बहुत अधिक हैं, फिर भी रोगी देखभाल और संतुष्टि में सुधार के लिए बहुत कुछ किया जा सकता है। अक्सर कहा जाता है कि रोगियों की "अधिक संख्या" से शिक्षा और अनुसंधान गतिविधियों को नुकसान पहुंचता है जो एम्स का वास्तविक अधिदेश है। आपको याद होगा कि भारत में रेल और बैंक उद्योग ने 1990 से कंप्यूटरीकरण के उपयोग द्वारा अपने नए रूप किस प्रकार ग्रहण किए। मुझे पूरा विश्वास है कि रोगियों की इसी "अधिक संख्या" को कंप्यूटरीकरण के इस्तेमाल से एम्स के रोगी देखभाल कार्य में बदलाव लाया जा सकता है और इसी के साथ अनुसंधान और शिक्षा गतिविधियों में भी क्रांति आ सकती है।

मुझ पर आप सभी के इस विश्वास के लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि आप इस साझा सपने को साकार करने में मुझे समर्थन देंगे।

निदेशक, एम्स